वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 231 | शुक्रवार 16 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

डेल्फिक आर्ट वॉल कैम्प रंगीला राजस्थान का भारतीय शिल्प संस्थान में हुआ आयोजन

70 विद्यार्थियों ने 100 फीट कैनवास पर राजस्थानी कला एवं संस्कृति को उकेरा

राजस्थान की कला एवं संस्कृति पर स्टेट लेवल के खेलों का होगा आयोजन। जवाहर कला केन्द्र में 9 से 12 फरवरी, 2023 तक होंगे आयोजित। युवाओं की ऊर्जा को सही समय पर दिशा देना जरूरी: महानिदेशक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो

जयपुर. शाबाश इंडिया

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने आज की पीढ़ी को बेहद ऊजार्वान बताते हुए कहा कि आवश्यकता है कि हम उनकी ऊर्जा को सही समय पर सही दिशा दे सके जिससे वे समाज के लिए सकारात्मक एवं प्रभावी योगदान देकर अपनी स्वयं की एक सार्वभौमिक पहचान बना सकेंगे। सोनी गुरूवार को भारतीय शिल्प संस्थान के परिसर में डेल्फिक मूवमेंन्ट के 28 वें स्थापना दिवस पर आयोजित आर्ट कैम्प ''रंगीला राजस्थान'' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह हर्ष की बात है कि इस आयोजन से हम हमारे युवाओं को रंगों के माध्यम से वैश्विक रूप से जोड़ पा रहे हैं जहां वह रंगों के माध्यम से अपने आप को अभिव्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को कहा कि आज के समाज में हमें प्रेज्यूडिस होने से बचना चाहिए। जिसके कारण हम सकारात्मकता के साथ जीवन की हर विद्या को समझ कर अपना सकते हैं और आनंद ले सकते हैं। डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने कहा कि

डेल्फिक मूवमेंन्ट 28वां स्थापना दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कला एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने एवं कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए लगातार डेल्फिक काउंसिल कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में कला एवं संस्कृति के संवर्द्धन के लिए डेल्फिक काउंसिल की ओर से 15 दिसम्बर को कैनवास पर पेन्टिग्स के माध्यम से युवाओं को आगे लाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। आज यहां पर 100 फीट कैनवास पर करीब 70 विद्यार्थियों एवं 5 फैक्लटी मेंबर के द्वारा राजस्थानी कला एवं संस्कृति को रंगों के माध्यम से दशार्या गया है। गुहा ने कहा कि प्रदेश में डेल्फिक गेम्स ऑफ राजस्थान का आयोजन 9 से 12 फरवरी, 2023 तक जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किया जाएगा। यह खेल दो चरणों में होंगे पहले चरण में वर्चुअल माध्यम से तथा दूसरे चरण में जवाहर कला केन्द्र में व्यक्तिगत स्पर्धा के रूप में होंगे। इससे पहले अतिथियों ने आर्ट कैम्प का शुभारंभ किया तथा डेल्फिक डाइजेस्ट न्यूज लेटरएवं डेल्फिक पोस्टर का विमोचन किया। कार्यक्रम में भारतीय शिल्प संस्थान के निदेशक डॉ. तुलिका गुप्ता, उत्तर क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला के निदेशक फुरकान खान, सेवानिवृत आईएएस जी.एस. कुशवाह, आरएएस क्षिप्रा शर्मा, जवाहर कला केन्द्र के क्यूरेटर लतीफ, आईआईसीडी के शुभांकर विश्वास एवं अन्य फैक्लटी सदस्य, राहुल सूद, नवीन त्रिपाठी, मनीषा, सहित विभिन्न कला प्रेमी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्वर - साम्राज्ञी लता मंगेशकर जी को समर्पित 28वां अखिल भारतीय ध्रुवपद

नाद - निनाद विरासत समारोह अन्तिम दिन, कला क्षेत्र के साधक हुए सम्मानित

अमन जैन. शाबाश इंडिया

जयपुर। इन्टरनेशनल ध्रुवपद धाम ट्रस्ट, जयपुर द्वारा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला की सहभागिता एवं जवाहर कला केन्द्र के सहयोग से 'भारतरत्न' स्वरकोकिला लता मंगेशकर को समर्पित दिनांक 14 एवं 15 दिसम्बर 2022 को कृष्णायन सभागार में सांय 5.30 बजे से दो दिवसीय 28वां अ.भा. ध्रुवपद नाद - निनाद - विरासत समारोह 'ध्रुवपद-धरोहर के अंतिम दिवस दिनांक 15 दिसम्बर को जयपुर के सुप्रसिद्ध पखावज वादक डॉ. पं. प्रवीण आर्य ने अपने शिष्य ऐश्वर्य आर्य के साथ पखावज वादन में अपनी सधी ऊँगलियों से ओज और माधुर्य का मिश्रण करते हुए आपने 14 मात्रा की ताल धमार का चुनाव करते हुए प्रारंभ अपने गुरू पं. छत्रपति जूदेव द्वारा रचित गणे के 12 नामों से बनी परण से किया। इसके बाद पखावज की परणों, पठत एवं कवित्त एवं तिहाईयों और चक्रदार

आवृत्तियों को अत्यंत तैयारी से बजाते हुए श्रोताओं को अपने वादन से अपना मुरीद बना लिया। इसमें इन्होंने चकदार परणों के बेदम आदि कई प्रकार प्रस्तुत करने के बाद अंत में ताल त्रिताल में अनेक परणों की बेहतरीन प्रस्तुति दी। इनके बाद दिल्ली के विख्यात ध्रुवपद गायक पं. ब्रजभूषण गोस्वामी ने दरभंगा घराने की उम्दा ध्रुवपद गायकी प्रस्तुत कर श्रोताओं को अपने भावपूर्ण एवं सरीले गायन से मंत्रमुग्ध कर दिया। आपने राग चन्द्रकौंस के अंतर्गत नोमतोम आलापचारी का चारों चरणों में अत्यंत लालित्यपूर्ण एवं माधुर्य पूर्ण प्रस्तुतिकरण किया। आलाप के बाद आपने ताल चौताल में एक ध्रुवपद की रचना प्रस्तुत की एवं इस रचना में बोल- बांट और लय बांट की बेहतरीन सर्जना पेश की। इसके बाद आपने राग हंसध्वनि में एक और ताल सूलताल में ध्रुवपद की प्रस्तुति कर गायन का समापन किया। आप द्वारा दोनों ध्रुवपद मियां तानसेन एवं प्रेमानन्द महाराज रचित थे जिसके बोल थे गिरिधारी ।

-चंद्रवदनी मृग नैनी एवं गोविन्द गोपाल

दूसरे दिन समारोह के प्रारंभ में कार्यक्रम संयोजिका ध्रुवपद गायिका प्रो. डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने सभी का स्वागत किया। दूसरे दिन के समारोह का प्रारंभ द्वीप प्रज्ज्वलन से अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम समन्वयक पं. रवि शंकर भट्ट तैलंग ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विख्यात नाट्य निर्देशक भारतरत्न भार्गव अध्यक्षता शिक्षाविद एस.एस.जी. पीजी पारीक कॉलेज, जयपुर के प्राचार्य प्रो. एन.एम. शर्मा, विशिष्ट अतिथि हिन्दी प्रचार-प्रसार संस्थान के अध्यक्ष सीनेट सदस्य डॉ. अखिल शुक्ला एवं सुप्रसिद्ध चित्रकार रामूराम देव थे। समारोह में कला क्षेत्र की दिग्गज नामचीन हस्ती ध्रुवपद गायक पं. ब्रजभूषण गोस्वामी को विशिष्ट कला सम्मान व युवा पखावज वादक ऐश्वर्य आर्य को युवा प्रतिभा सम्मान से नवाजा गया। अंत में कार्यक्रम सह संयोजक डॉ. श्याम सुंदर शर्मा ने सभी का आभार किया। मंच का संचालन प्रणय भारद्वाज ने किया

आज का समय स्किल डवलपमेंट का : मुनेश गुर्जर

जयपुर. शाबाश इंडिया। आईटी ट्रेनिग कंपनी टेक्नोग्लोब ने रामगढ़ मोड़ पर अपना एक नया सेंटर खोला। उद्घाटन ईएआर के अध्यक्ष एनके जैन ने फीता काटकर किया। कंपनी की जनरल मैनेजर डॉ.चैरी जैन ने बताया कि इस मौके पर मुख्य अतिथि जयपुर नगर निगम हैरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर रही। इस दौरान मुनेश गुर्जर ने स्किल डवलपमेंट और ट्रेनिग का महत्व बताते हुए कहा कि आज का समय स्किल डवलपमेंट का है। इस क्षेत्र में इस तरह के सेंटर से आसपास के क्षेत्र के लोगों को बहुत फायदा मिलेगा। उन्होंने टेक्नोग्लोब संस्था के जॉब फेयर की भी सराहना की। इस दौरान टेक्नोग्लोब कंपनी के डायरेक्टर शिराज खान, विशिष्ट अतिथियों में पार्षद राबिया बहन और शाहिद गुडेज,टीम मेंबर अफशा खान, मोहम्मद यूसुफ भी मौजूद रहे। कंपनी की जनरल मैनेजर के मुताबिक इस सेंटर के माध्यम से रामगढ़ मोड़ व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्किल डवलपमेंट के कोर्सेज करवा कर रोजगार दिया जाएगा।

जैन तीर्थ सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने पर जैन समाज में हुआ रोष व्याप्त

सम्मेद शिखर बचाओ अभियान के तहत जैन समाज ने रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

जैन तीर्थ सम्मेद शिखर को गैर धार्मिक पर्यटन सूची से बाहर करने की मांग

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद/केकड़ी। सकल जैन समाज केकड़ी ने गुरुवार को श्री शाश्वत सम्मेद शिखर तीर्थ स्थल को स्वतंत्र पहचान,पवित्रता और संरक्षण हेतु विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित देशव्यापी सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर बचाओ अभियान के तहत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री,राजस्थान के झारखंड के मुख्यमंत्री, राजस्थान के मुख्यमंत्री व केंद्रीय पर्यटन मंत्री के नाम एक ज्ञापन उपखण्ड अधिकारी विकास पंचोली को सौंपा। ज्ञापन से पूर्व जैन समाज के महिला, पुरुष व बच्चे विद्यासागर मार्ग स्थित दिगंबर चंद्र प्रभु जैन चैत्यालय में एकत्रित हुए। यहां से मौन जुलूस के रूप में घंटाघर,सदर बाजार,खिड़की गेट, पुराना अस्पताल रोड, तीन बत्ती चौराहा होते हुए हजारों की संख्या में सकल जैन समाज के उपखंड कार्यालय पहुंचे। इस अवसर पर सभी जैन समाज के लोगों द्वारा अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखे गए । ज्ञापन में 20 तीर्थकरों व अनन्त संतों की मोक्ष स्थल श्री सम्मेद शिखरजी पारसनाथ पर्वतराज गिरिडीह झारखंड को वन्य जीव अभ्यारण्य, पर्यावरण पर्यटन के लिए घोषित इको सेंसेटिव जोन के अन्तर्गत जोनल मास्टर प्लान पर्यटन मास्टर प्लान पर्यटन/धार्मिक पर्यटन स्थल से बाहर किए जाने और पारसनाथ पर्वतराज और मधुबन को मांस- मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र जैन तीर्थ स्थल घोषित किए जाने व पर्वतराज के वंदना मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की गई। साथ ही ज्ञापन में बताया कि 2 अगस्त 2019 को तत्कालीन झारखंड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा पारसनाथ पर्वत को वन्यजीव अभयारण्य का एक भाग घोषित कर इको सेंसेटिव जोन के अंतर्गत पर्यावरण परिवर्तन व अन्य गैर धार्मिक आयोजनों की अनुमति देने वाली अधिसूचना बिना जैन समाज से आपत्ति और सुझाव लिए जारी करी थी। 15 जनवरी 2022 को पारसनाथ पर्वत राज पर हजारों लोगों की भीड़ चढ़ी लेकिन पर्वतराज की सुरक्षा एवं पवित्रता हेतु स्थानीय पुलिस व प्रशासन की कोई व्यवस्था नहीं थी।

जैन मुनि अंतरंग सागर जी महाराज पंचतत्व में विलीन

हजारों भक्त रहे मौजूद

चन्द्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया। भरतपुर जिले की बयाना तहसील के श्री दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान आचार्य अमित सागर जी महाराज के संघ के मुनि अंतरंग सागर जी महाराज का गुरुवार को सुबह बयाना के जैन मंदिर के त्यागी भवन में समाधि मरण हो गया। दोपहर 3 बजे हजारों की संख्या में जैन श्रावक-श्राविकाओं ने बयाना के मुख्य मार्गो से गाजे-बाजे के साथ समाधि मरण ढोल निकाला मुनि श्री की समाधि मरण यात्रा में बाहर के हजारों की संख्या में भक्तगण शामिल हुए। बयाना मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि मुनि श्री की समाधि साधना के सारे क्रियाकलाप मंत्र उच्चारण द्वारा आचार्य 108 अमित सागर जी महाराज ससंघ द्वारा करवाया गया। मुनि श्री की देवलोक गमन की खबर सुनते ही सभी जगह से उनके शिष्य उनकी अंतिम यात्रा में सम्मिलित होने बयाना पहुंचे। मुनि श्री की समाधि मरण डोल यात्रा में उनके भक्तगण महामंत्र णमोकार का पाठ करते हुए चल रहे थे । मुनि श्री की जैन नसिया में समाधि स्थल पर समाधिस्थ किया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि आचार्य अमित सागर जी महाराज का संघ सहित श्री महावीर जी से आगरा के लिए विहार चल रहा था कुछ दिन पूर्व बयाना में मुनि श्री अंतरंग सागर जी महाराज अनायास सीढ़ियों से गिरने के कारण उनकी संलेखना समाधि चल रही थी। गुरुवार को मुनि श्री की प्रातः समाधि मरण हो गया।

श्री सम्मेदशिखरजी बचाओ आंदोलन के स्वरूप तहसीलदार, श्री महावीर जी को दिया ज्ञापन

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

सकल जैन समाज श्री महावीर जी की ओर से गुरुवार को शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेदशिखरजी बचाओ आंदोलन के स्वरूप तहसीलदार, श्री महावीर जी, थाना इंचार्ज व एस डी एम श्री महावीरजी को समाज के अध्यक्ष- ज्ञान चंद कासलीवाल व मंत्री संजय छबड़ा के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया ।

वेद ज्ञान

भौतिक सुख की चाह...

इस संसार में ज्यादातर लोग भौतिक सुखों को ही सब कुछ मान बैठते हैं और इन्हें प्राप्त करने में अपना पूरा जीवन व्यतीत कर देते हैं। आश्चर्यजनक बात यह कि इसके बावजूद वे यह दावा नहीं कर पाते हैं कि उनका जीवन पूर्णतः सुखमय बीता। वे यह शिकायत करते मिल जाएंगे कि अपने जीवन में वे इस या उस वस्तु का सुख नहीं ले पाए, जिसका उन्हें बहुत मलाल है। वस्तुतः ऐसे लोग यह सोचते हैं कि उन्हें अमुक चीज मिल जाए, तो उनका जीवन धन्य हो जाए। कुछ प्रयासों के बाद अगर उन्हें वह वस्तु मिल भी जाए, तो वे किसी और चीज को पाने की कामना करने लगते हैं। इस तरह वे हर समय किसी न किसी चीज की कामना करते रहते हैं और उसे पाने के लिए जीवन-पर्यंत प्रयास करते रहते हैं। बहुत देर हो जाने के बाद उन्हें यह अहसास जरूर होता कि उन्होंने अपना पूरा जीवन व्यर्थ में ही गवां दिया। हमें मनुष्य जीवन बड़े सौभाग्य से मिला है, इसलिए नित्य कर्म करने के अलावा हमारे जीवन का एक विशेष उद्देश्य भी होना चाहिए। इस धरती पर हर चीज का कोई न कोई विशेष उद्देश्य जरूर है। जिस तरह सुई का काम सिलाई करने का है, तो तलवार का काम काटने का। न सुई का काम तलवार कर सकती है और न तलवार का काम सुई। दोनों का अपना-अपना उद्देश्य है। इसी तरह हम सबके जीवन का भी कोई न कोई उद्देश्य जरूर होना चाहिए और हमें हर हाल में इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयास करना चाहिए। मनुष्य को सांसारिक मोहमाया में फंस कर नहीं रह जाना चाहिए, बल्कि उसे इससे बाहर निकलकर अपने जीवन के उद्देश्य के प्रति समर्पित भाव से साधनारत रहना चाहिए। जब तक हमें अपनी मंजिल मालूम नहीं होगी, तब तक हम भटकते रहेंगे और हमारी यात्रा कभी पूरी नहीं हो पाएगी। कुछ लोग अपने जीवन का उद्देश्य खोजने और उसे प्राप्त करने के बदले भाग्य के भरोसे बैठ जाते हैं। वे यही कल्पना करते रहते हैं कि उनके भाग्य में जो होगा, वह उन्हें मिलकर ही रहेगा। ऐसे लोग यह बात भूल जाते हैं कि मनुष्य कर्मयोगी है और कर्म किए बिना उसका भाग्य अधूरा है। हमारे कर्म से ही हमारा भाग्य बनता है। कर्म पर विश्वास करने वालों के कामों के परिणाम का अनुमान लगाया सकता है, लेकिन भाग्यवादियों के मामले में ऐसा नहीं होता।

संपादकीय

अरुणाचल में चीनी सैनिकों की पैठ चिंता का विषय

एक बार फिर अरुणाचल के तवांग में चीनी सैनिक भारतीय सीमा में घुस कर सुरक्षाबलों से भिड़ गए। हालांकि यह टकराव लंबा नहीं खिंचा और जल्दी ही चीनी सैनिक वापस लौट गए। मगर बार-बार चीन की तरफ से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर इस तरह तनाव की स्थिति पैदा करने को लेकर स्वाभाविक ही भारत सरकार पर कड़ा कदम उठाने का दबाव बनना शुरू हो गया है। संसद में इस घटना पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सफाई दी कि भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को खदेड़ दिया और वहां कोई अप्रिय घटना नहीं होने पाई। मगर विपक्ष इस घटना को केंद्र सरकार की रणनीतिक कमजोरी के रूप में रेखांकित कर रहा है। ज्यादा दिन नहीं हुए जब लद्दाख के गलवान क्षेत्र में चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों के साथ हिंसक झड़प की और हमारे कई जवान शहीद हो गए। कई चीनी सैनिक भी मारे गए। उसके बाद करीब दो साल तक उस इलाके में तनाव बना रहा। चीन अपनी सामरिक शक्ति का प्रदर्शन करता रहा। आरोप लगते रहे कि चीन भारतीय सीमा में काफी अंदर तक घुस आया है और उसने अपने सैन्य ठिकाने बना लिए हैं। विपक्ष अब तक दोहराता है कि लद्दाख क्षेत्र की काफी जमीन चीन ने हथिया ली है और भारत सरकार उसे रोक नहीं पाई। अब अरुणाचल में चीनी सैनिकों की पैठ ने स्वाभाविक चिंता पैदा कर दी है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब चीनी सैनिकों ने तवांग इलाके में घुसपैठ की कोशिश की। करीब सोलह सालों से वहां तनाव बना हुआ है। दरअसल, तवांग का इलाका चीन और भारत दोनों के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्त्वपूर्ण है। चीन की कोशिश रहती है कि तवांग पर कब्जा कर ले। इसलिए कि वह इलाका तिब्बत, भूटान और भारत को जोड़ता है। तवांग भारत का हिस्सा है, मगर चीन उस पर इसलिए भी कब्जा जमाना चाहता है कि वहां से वह तिब्बत पर शिकंजा कसने में कामयाब हो सकता है। फिर भारत पर सामरिक दबाव बनाए रख सकता है। इसलिए भारत हमेशा उस इलाके में सुरक्षा इंतजाम पर विशेष ध्यान देता है। ब्रिटिश हुकूमत के समय जब अरुणाचल में वास्तविक नियंत्रण रेखा का निर्धारण हो रहा था, तो चीन ने उस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किया था। वह दावा करता रहता है कि तवांग के इलाके पर उसका अधिकार है। मैकमोहन रेखा कही जाने वाली नियंत्रण रेखा को पार कर उसके सैनिक भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास करते रहे हैं। भारतीय सीमा पर अस्थिरता पैदा करने के पीछे चीन की एक और खीज काम करती है कि वह भारत को उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में सहन नहीं कर पाता। फिर अमेरिका से उसकी नजदीकी सदा चीन को खटकती रही है। लद्दाख का तनाव खत्म करते वक्त उम्मीद जताई गई थी कि अब चीन बेवजह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सामरिक शक्ति का प्रदर्शन नहीं करेगा, मगर वह अपनी विस्तारवादी मानसिकता से बाहर नहीं निकल पा रहा। ऐसे में सारी दुनिया की नजर तवांग इलाके में उसकी घुसपैठ पर लगी हुई है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

शोर की मार...

वायु प्रदूषण को लेकर लंबे समय से जताई जा रही चिंताओं के बीच अब इतना जरूर हुआ है कि बड़ी तादाद में लोग इस मसले पर जागरूक हुए हैं। और इससे बचने के उपायों को लेकर सचेत रहते हैं। मगर प्रदूषण के अन्य स्वरूपों के प्रति अभी वैसी समझ नहीं बन पाई है। खासकर तेज स्वर में बजने वाले यंत्र आसपास के माहौल को अशांत करने और व्यक्ति की सेहत पर क्या असर डाल सकते हैं, इस बारे में शायद ही कोई फिक्र करता है। हालांकि ध्वनि प्रदूषण को लेकर अक्सर सतर्क किया जाता और इससे बचने की सलाह दी जाती है। इसे नियंत्रित करने के लिए दिशा-निर्देश और नियम-कायदे भी हैं, लेकिन इसके प्रति अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखती है। शायद यही वजह है कि दिनोंदिन ध्वनि प्रदूषण की समस्या गहराती जा रही है। इसके मद्देनजर राजधानी दिल्ली में सरकार ने शोर से होने वाले प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए सख्ती बरतने का फैसला किया है। इस संदर्भ में दिल्ली के पर्यावरण विभाग ने अपने एक आदेश में कई संबंधित महकमों को राष्ट्रीय राजधानी में ध्वनि प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों पर पूरी तरह रोक लगाने को कहा है। गौरतलब है कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने पिछले साल पच्चीस जून को इस मामले में स्पष्ट निर्देश जारी किया था, जिसके तहत ध्वनि नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाए जाने पर एक लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियमों के अनुसार अधिकारियों की इजाजत के बिना लाउडस्पीकर या सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली का उपयोग नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, सभागार, सम्मेलन कक्ष, समुदाय और विवाह समारोह आदि के लिए निर्धारित बंद परिसरों को छोड़ कर लाउडस्पीकरों का उपयोग रात दस बजे से सुबह छह बजे के बीच नहीं किया जा सकता। दरअसल, ये नियम पहले से लागू हैं। लेकिन यह छिपा नहीं है कि कभी विवाह तो कभी जागरण या किसी अन्य कारण से आयोजित समारोहों में लाउडस्पीकर आदि जिस तरह और जितनी तेज आवाज में बजाए जाते हैं, वे ध्वनि प्रदूषण के पैमानों को आमतौर पर धता बताते रहते हैं। साथ ही सड़कों पर चलने वाले वाहन भी कई बार रात में नाहक तेज स्वर में भोंपू बजाते हैं। जबकि एक कुशल वाहन चालक केवल गाड़ी की बत्तियों की रोशनी के संकेतों के सहारे ही अपना रास्ता तय करता है। शायद ही इस बात का ध्यान रखने की कोशिश की जाती है कि ऐसे शोर से आसपास के लोगों को कितनी असुविधा हो रही होगी। लेकिन यह केवल असुविधा का मामला नहीं है। तेज या तीखे स्वर कान में पड़ने से कई शारीरिक बीमारियां और मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। इसके असर से व्यक्ति बहरेपन, यादाश्त और एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद के अलावा नपुंसकता और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों की चपेट में आ सकता है। ध्वनि प्रदूषण अगर उच्च और असुरक्षित स्तर तक है तो यह मनुष्यों के साथ-साथ पशु-पक्षियों और पेड़ों आदि को भी नुकसान पहुंचाता है। इस स्तर के खतरे के बावजूद लोग अगर इस समस्या के प्रति लापरवाही बरतते हैं तो यह एक तरह से आत्मघाती स्थिति है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण को लेकर सरकार ने अगर सख्ती दिखाई है, तो इसे एक जरूरी कदम माना जा सकता है। मगर असली तकाजा ऐसे निर्देशों को सख्ती से लागू करने का है। हालांकि अगर लोग अपने स्तर पर ही जागरूक हों और अपनी सेहत को सुरक्षित रखने का ही खयाल रखें।

डिजिटल एरा लाइटिंग एंड कैमरा टेक्निक वर्कशॉप संपन्न

वी आई एफ टी में तीन दिवसीय कार्यशाला में स्टूडेंट्स ने पाए टिप्स

उदयपुर. शाबाश इंडिया। नई पीढ़ी को पत्रकारिता में समय के साथ तकनीक के बदलाव और रोजगार परक जानकारी देने के प्रयोजन से वेंकटेश्वर इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी में तीन दिवसीय कैमरा एंड लाइट वर्कशॉप का समापन गुरुवार को हुआ। चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यशाला में जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के स्टूडेंट्स को मेंटॉर राकेश शर्मा 'राजदीप' और सहयोगी आशा सोनी ने डिजिटल एरा में आधुनिकतम तकनीक की लाइट्स और एडवांस कैमरा यूज एंड ऑपरेशन के टिप्स दिए। इस दौरान छात्र छात्राओं ने ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी कंपीटिशन में फोटोग्राफी करके पुरस्कार भी जीते। जिनमें प्रथम स्थान मानसी मेघवाल, द्वितीय मानस जैन और तृतीय स्थान पर रोहित सिंह रहे। इनके अलावा हिमांशी चौबीसा, हिया शर्मा, अंजली शर्मा, आशीष बुंबाड़िया और क्रिस्टीन जॉन ने भी भागीदारी निभाई। विजेताओं सहित तमाम प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। खबर/ फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल : 9829050939

आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज ने कहा...

समय और धन हर व्यक्ति के पास

जयपुर. शाबाश इंडिया। वैशाली नगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्यश्री सुनील सागरजी महाराज ने कहा कि की समय और धन हर व्यक्ति के पास होता है ।व्यक्ति को पता होता है कि उसके पास कितना धन है,परंतु उसे यह पता नहीं होता कि, उसके पास समय कितना है। दौलत तो गिनता है पर उसके पास अपनी सबसे बड़ी दौलत है श्वास,समय उसे नहीं मिल पाता। दौलत से भी ज्यादा कीमती है समय। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में इंसान आते हुए धन को तो देखता है। परंतु जाती हुई सांसो को नहीं देख पाता,इसलिए समय की कीमत जानो। इंसान के राग, द्वेष ,क्लेश में घंटे, दिन ,वर्ष निकल जाते हैं। उसी से अशुभ परिणाम बनते हैं। और कर्म बंध दे जाते हैं,जिस प्रकार धन को हिसाबे करते हो उसी प्रकार आयुष्य की भी हर एक सांस को हिसाबे करना चाहिए। मंदिर प्रबंध समिति की सुनीता व संतोष झांझरी ने बताया कि आचार्य श्री ने अपने उपदेश में कहा कि प्रातः काल की पूजा, अर्चना से जीवन में सुकून मिलता है आनंद सुख तो निज में है। निज स्वभाव की पहचान हो यही भावना। राहुल पाटनी, विशाल सोनी वे बुद्धिप्रकाश जैन ने बताया कि इस अवसर परे गुलाबचंद अशोक बज परिवार ने आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया।

परमात्मा का भाव से कीर्तन करने पर हो जाता भव से बेड़ा पारः संतोषसागर महाराज

सौभाग्यशाली होते है वह जिन्हें मिलता भागवत दर्शन व श्रवण का सुअवसर

सनातन धर्म भागवत कथा समिति के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आगाज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। कथाएं तो बहुत होती है लेकिन उनमें मन नहीं लगता। भगवान व सत्संग की प्राप्ति होकर उसमें मन लग जाना बहुत बड़ी बात होती है। ठाकुरजी का नाम ही मनमोहन है। परमात्मा को आपका तन व धन नहीं केवल मन चाहिए। भगवान केवल भाव का भूखा है। भाव से कीर्तन करने पर भव से बेड़ा पार हो जाता है। भागवत कथा श्रवण तब सार्थक होगा जब सांसारिक क्रियाकलापों से हटकर सात दिन भगवान के लिए अपना मन समर्पित कर देंगे। मन में गोविन्द के अलावा कुछ नहीं हो। अहंकार व आलस्य का पांडाल के बाहर त्याग करके आना। ये विचार सनातन धर्मयात्रा के प्रणेता राष्ट्रीय युवा संत संतोषसागर महाराज ने गुरूवार को भीलवाड़ा के शास्त्रीनगर स्थित जाट भवन में सनातन धर्म भागवत कथा समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के पहले दिन कथा का आगाज करते हुए कहीं। व्यास पीठ पर रखी गई भागवतजी की आरती व पूजन के साथ कथा शुरू हुई। राजस्थान के 25 जिलों में सनातन धर्मयात्रा निकालने के बाद 26वें पड़ाव के रूप में भीलवाड़ा पहुंचे संतोषसागरजी महाराज

ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य वैदिक व सनातन संस्कृति से लोगों का विशेषकर बच्चों व युवाओं का जुड़ाव बढ़ाते हुए उन्हें संस्कारित बनने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि मन हमारा दुश्मन भी है ओर मित्र भी है। हमे मन का नौकर नहीं बल्कि स्वामी बनकर उसे नियंत्रित रखना होगा। हम जैसा चाहे वैसा हमारा मन करें न कि जैसा हमारा मन चाहे वैसा हम करें। जिसे तन व धन देना चाहिए हम उसे मन दे रहे है जबकि जिसे मन देने की जरूरत है उसे तन व धन देने तक सीमित हो जाते है। महाराजश्री ने भागवत कथा श्रवण का महत्व समझाते हुए कहा कि भागवतजी जहां विराजमान होती है वह जगह तीर्थ बन जाती है। कथा के माध्यम से सात दिन जीवन दर्शन व धर्म की बात होगी। सात दिन कथा श्रवण से मन के भीतरी रोग व अवसाद समाप्त हो जाए और हरिनाम पर झूमने लगे तो समझ लेना कथा सुनना सार्थक हो गया। मनुष्य जन्म मिलना दुर्लभ है उसके बाद संत दर्शन व भागवत दर्शन ओर भी दुर्लभ है। वह सौभाग्यशाली होते है जिन्हें भागवत दर्शन व श्रवण का सुअवसर मिलता है।

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आगाज

श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आगाज गुरूवार सुबह भव्य कलश एवं शोभायात्रा के साथ हुआ। कलश शोभायात्रा शास्त्रीनगर स्थित नीलकंठ मंदिर से शुरू होकर श्याम मंदिर, राम मंदिर होते हुए कथास्थल जाट भवन तक पहुंची। शोभायात्रा में चुनरी पहने हुए सैकड़ो महिलाएं सिर पर कलश धारण करके चल रही थी। कई महिला भक्त नृत्य करते हुए कलश शोभायात्रा में साथ चल रही थी। शोभायात्रा में सबसे आगे सजेधजे अश्व व उंट पर सवार भक्त धर्मध्वजा फहराते हुए चल रहे थे। कलश शोभायात्रा में कथावाचक पूज्य संतोषसागर महाराज सजाधजी बग्गी में सवार होकर चल रहे थे। शोभायात्रा में श्रीमद् भागवत कथा की पौथी पहले दिन के अग्रणी जजमान सनातन धर्म भागवत कथा समिति के महासचिव शांतिप्रकाश मोहता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, उपाध्यक्ष कैलाश तापड़िया एवं नंदकिशोर झंवर सहित सभी जजमान बारी-बारी से अपने सिर पर धारण करते हुए चले। बैण्ड पर गूंज रही भक्तिपूर्ण स्वरलहरियां भी शोभायात्रा का माहौल धर्ममय बना रही थी।

स्मॉलहोल्डर एंपावरमेंट कृषि कार्यशाला संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

आज कृषि उपज मंडी के सभागार में एस.एच.आई.पी. स्मॉलहोल्डर एंपावरमेंट प्रोग्राम के तहत सामूहिक कृषि उत्पाद विपणन प्रशिक्षण में वल्लभनगर के किसान हित समूह के लिए उद्यान विभाग द्वारा राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना के तहत एक दिवसीय कार्यशाला रखी गई। सर्वप्रथम सभी माननीय अधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यशाला में डिप्टी डायरेक्टर उद्यान के.एन.सिंह द्वारा उद्यान विभाग की योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। आर.डब्ल्यू.एस.एल.आई.पी., जयपुर पी.एन.यू. से डिप्टी डायरेक्टर पी.के. सिंह द्वारा छोटे काश्तकारों को उन्नत खेती पर जानकारी दी गई। ईडब्ल्यूएस एलआईजी उदयपुर द्वारा पी.एन.यू. से डिप्टी डायरेक्टर पी के सिंह द्वारा छोटे काश्तकारों को उन्नत खेती अधिक लाभ अर्जित करने पर जानकारी दी। मदन सिंह जी चंपावत, डिप्टी डायरेक्टर कृषि द्वारा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। डॉ हरि सिंह, विख्याता इकोनॉमिक्स द्वारा काश्तकारों को बाजार में लेन-देन पर विस्तार से जानकारी दी। संयुक्त निदेशक कृषि, बी.एल. पाटीदार जे.डी.ए. उदयपुर द्वारा परियोजना द्वारा चल रही योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाकर उत्पादन वृद्धि के लिए जानकारी दी। तकनीकी सहायक आर.डब्ल्यू. एस.एल. आई.पी., गंगा शर्मा, अभिषेक रोए, शैलेंद्र सिंह ने कार्य क्षेत्र में चल रहे कार्यों के अनुभव एवं उपलब्धियों को काश्तकारों के साथ साझा किया। कार्यशाला में मुकेश जी खिलानी - व्यापार मंडल अध्यक्ष, किशन - पूर्व अध्यक्ष, कमल - रेटल व्यापार अध्यक्ष, कृषि अधिकारी - सीमा झगड़ावत, इफ्को से - प्रवीण लामा, पी.एस.सी. एक्सपर्ट - अजीत रिजवी, आर.एन.इ. - अशोक भारद्वाज कृषि उपज मंडी समिति, फल सब्जी, उदयपुर के व्यापारियों सहित वल्लभनगर महिला एवं पुरुष काश्तकारों की सहभागिता रही। कार्यशाला के अंत में सभी कृषकों को धन्यवाद दिया और सतत सहयोग का वादा किया गया।

श्रद्धा पूर्वक मनाया तपकल्याणक, उमड़े श्रद्धालु

संसार के सारे सुख नश्वर होते हैं: मुनि श्री सुप्रभसागर

युवराज की हुई दीक्षा, होगा 26 जिन वेदिकाओं का शिलान्यास

ललितपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणातसागर जी महाराज, मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज,मुनि श्री अनंग सागर के सान्निध्य में मड़ावरा विकासखंड में स्थित अतिशय क्षेत्र कारीटोरन में गुरुवार को पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान का तप कल्याणक श्रद्धा-आस्था पूर्वक मनाया गया। महोत्सव के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि तप कल्याणक विधि विधान के साथ आयोजित हुआ जिसमें सर्वप्रथम प्रातः 6.30 बजे से अभिषेक, शांतिधारा,जन्मकल्याणक पूजन, स्वप्न, अन्न प्रासन विधि की गई। 9 बजे से राजदरबार, राज्याभिषेक, राजतिलक और चक्ररत्न की उत्पत्ति की विधि की गई। दोपहर में महाराजा का दरबार, राज्याभिषेक, मुकुटबद्ध राजाओं द्वारा भेंट समर्पण की क्रियाओं को किया गया। 3 बजे से परिनिष्क्रमण कल्याणक विधि, दीक्षा संस्कार, वैराग्य, लोकांतिक देवों का आगमन दशार्या गया। तपकल्याणक को नाट्यरूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें राज्याभिषेक के बाद युवराज को वैराग्य आ जाता है। संसार की क्षणभंगुरता के बोध से युवराज को संसार से वैराग्य हो गया और उनके जैनेश्वरी दीक्षा की प्रक्रिया मंचित की गई। इसके बाद दीक्षा विधि हुई। इस मौके पर भारत सरकार के पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने मुनिश्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया, महोत्सव समिति ने उनका सम्मान किया। इस मौके पर मुनि श्री सुप्रभसागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि जब वैराग्य आता है तो संसार के सारे सुख नश्वर होते हैं। जैसे आज आपने देखा युवराज को

कैसे संसार से वैराग्य हो गया। उनके पास संसार के सारे वैभव हैं लेकिन जब उन्हें वैराग्य आया तो सारे वैभव को त्याग कर दिगंबरत्व को धारण करते हैं। संसार का यह रूप, सम्पदा क्षणिक है, अस्थिर है, किन्तु आत्मा का रूप आलौकिक है, आत्मा की संपदा अनंत अक्षय है। उन्होंने कहा कि मिट्टी जैसे कुम्भकार रूपी गुरु के निर्देशन में तपकर सौभाग्यवती माताओं के मस्तक पर शोभायमान हो जाती है उसी प्रकार गुरु के निर्देशन में तप धारण करने वाली आत्मा भी परमात्मा बन जाती है।

तीर्थ की सुरक्षा करना समाज का दायित्व है: आर्यिका श्री साकार मति माताजी

आर्यिका संघ का हुआ नगर आगमन, आज निकलेगी शिखर जी समर्थन में रैली

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

तीर्थ की सुरक्षा की जिम्मेदारी समाज की है चाहे आपके निकटवर्ती तीर्थ दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी हो या तीर्थ राज सम्मेद शिखरजी तीर्थों को मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज ने कहा है जहां यात्री जाकर अपनी प्यास बुझाते हैं उनकी सुरक्षा के लिए सब कुछ समर्पित करें ।तीर्थ हमारे प्राण हैं वच्चो को संभालने के लिए हमें अपने आप को संभालना पड़ता है ।ऐसी ही तीर्थों को संभालने के लिए अपने आप को समर्पित करने की आवश्यकता है उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्री विद्यासागर जी

महाराज की परम शिष्या आर्यिका श्री साकार मति माताजी ने सुभाष गंज में धर्म सभा को सम्बोधित करते वक्त किए। दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि आर्यिका श्री साकार मति माताजी, आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी साहशाढ से विहार करते हुए वाशी पहुंच कर मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ का आशीर्वाद प्राप्त कर दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी पधारी। एक दिन विश्राम कर आज पुनः विहार करते हुए आज थूवोनजी रोड़ से नगर प्रवेश किया जहां समाज जनों ने नगर के बाहर पहुंच कर आर्यिका संघ की अगवानी की। इसके बाद माताजी पार्श्वनाथ मंदिर वगीचा मन्दिर गांव मन्दिर की वंदना करते हुए सुभाष गंज स्थित चंद्र प्रभु जिनालय पधारी जहां भक्तों ने आर्यिका संघ की भक्ति भाव से अगवानी की। इसके बाद धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए माताजी ने कहा कि पद केवल कार्य करने के लिए प्रतीकात्मक होते हैं कहा भी गया है राजे स्वरी हो नरकेस्वरी ये स्पष्ट आगम में आया है जो पद नहीं छोड़ता है वह सीधे अधोगति को जाता है।

अहमदाबाद में संतो का आध्यात्मिक त्रिवेणी संगम मिलन समारोह

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री मोहजीतकुमारजी ठाणा -3 बालोतरा चतुर्मास सम्पन्न कर एवं मुनिश्री डॉ. पुलकितकुमारजी ठाणा - 2 भुज -कच्छ का सफलतम चातुर्मास सम्पन्न कर अहमदाबाद पधारें। अहमदाबाद शाहीबाग तेरापंथ भवन पर विराजित मुनिश्री कुलदीपकुमारजी ठाणा - 2 से आध्यात्मिक मिलन त्रिवेणी संगम हुआ। इस आध्यात्मिक मिलन के अवसर पर आत्मियमधुर मिलन के दृश्य को देखकर उपस्थित जनमेदनी भाव विभोर एवं आहलादित हुई। आध्यात्मिक

मुनिश्री जयेशकुमारजी ने पुरानी यादों को ताजा किया ओर कहा इस अवसर पर अहमदाबाद वासियों को भौतिकता के साथ आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने का सुअवसर मिला है। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी,श्रावक समाज एवं अहमदाबाद के अनेक क्षेत्रों के लोग, गणमान्यजन की सराहनीय उपस्थिति दर्ज रही।

मिलन स्वागत समारोह कार्यक्रम का मंगलाचरण तेमम की बहिनों ने भिक्षु अष्टकम के द्वारा किया। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा अध्यक्ष कान्तिलाल चोरड़िया तेमम अध्यक्षा चांददेवी छाजेड़, तेयुप अध्यक्ष अरविंद संकलेचा, अणुव्रत समिति अध्यक्ष सुरेश बागरेचा, प्रवास व्यवस्था समिति महामंत्री अरुण बैद, राजमल महेर आदि ने आध्यात्मिक मिलन पर प्रासंगिक विचार व्यक्त करने के साथ चारित्रात्माओं का स्वागत किया। आध्यात्मिक मिलन समारोह पर मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने अतीत की स्मृतियों को प्रस्तुत करने के साथ वर्तमान क्षण कि प्रशंसा को व्यक्त करते हुए अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा श्रद्धा,भक्ति,समर्पण,आत्मियता से जुड़ा यह आध्यात्मिक मिलन अतुलनीय प्रशंसा का क्षण है ओर गौरव की अनुभूति होती हैं। इस अवसर पर मुनिश्री ने गीतिका के माध्यम से मिलन की महिमा बताई एव उपस्थिति जनमेदनी को विनय और वात्सल्य के इस मिलन समारोह से प्रेरणा लेने ओर संघ प्रभावना में योगभुत बनने के साथ गुणानुवादी व गुणग्राही बनने की प्रेरणा दी। मुनिश्री कुलदीपकुमारजी ने स्वागत करते हुए अतीत की स्मृतियों को याद करते हुए कहा हम चाहे दुर रहे या नजदीक लेकिन भीतर से जुड़े हुए हैं परस्पर आत्मीय भाव बना हुआ है। सभी के प्रति शुभाशंसा शुभकामनाएं प्रदान की। मुनिश्री डॉ. पुलकितकुमारजी ने आध्यात्मिक त्रिवेणी मंगल मिलन समारोह पर श्रद्धा प्रणति पुरक मुनिश्री सुखलालजी स्वामी को याद करते हुए अपने जीवन के क्षणों को याद किया एवं भुज-कच्छ के सफलतम चातुर्मास के कुछ प्रसंगों को उदघाटित किया। अहमदाबाद के संदर्भ मे कहा धर्मसंघ की आस्था को पुष्ट करने के लिए अहमदाबाद श्रावक समाज हमेशा जागृत रहा है इसी तरह जागरूक रहकर आध्यात्मिक लाभ लेते रहना है। मुनिश्री मुकुलकुमारजी ने प्रासंगिक उदबोधन देने के साथ अपने संस्मरणों को प्रस्तुत करते हुए बताया इस आध्यात्मिक मिलन से अत्यंत आनंद व प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। मुनिश्री भव्यकुमारजी ने अपने संस्मरणों को बताने के साथ आगे कहा तेरापंथ धर्मसंघ के संत एक प्रकार से मीले हुए ही है, एक अनुशासन के साथ समिलित है। पर बहुत समय के बाद मीलना होता है तो आनंद की अनुभूति होती हैं। नचिकेता मुनिश्री आदित्यकुमार जी ने कहा आजका प्रसंग आनंद की अनुभूति का हैं अभीव्यक्ति का नहीं। मिलन के इस अवसर पर गीत के माध्यम से अभिव्यक्ति दी। मुनिश्री जयेशकुमारजी ने पुरानी यादों को ताजा किया ओर कहा इस अवसर पर अहमदाबाद वासियों को भौतिकता के साथ आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने का सुअवसर मिला है। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी,श्रावक समाज एवं अहमदाबाद के अनेक क्षेत्रों के लोग, गणमान्यजन की सराहनीय उपस्थिति दर्ज रही। कार्यक्रम का संयोजन सभा सहमंत्री जितेंद्र छाजेड़ ने तथा तेमम अध्यक्षा चांददेवी छाजेड़ ने आभार ज्ञापन किया।

अतिशय क्षेत्र तिजारा में विराजमान हुईं रजत प्रतिमाएं

तिजारा. शाबाश इंडिया

प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परंपरा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज का राजस्थान की पुण्यधरा पर प्रथम बार श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा (अलवर) में विशाल शोभयात्रा के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य श्री के परम पावन सान्निध्य में यहाँ श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन प्राचीन मन्दिर में त्रिदिवसीय नूतन जिनबिम्ब विराजमान समारोह का भव्य आयोजन व्यापकधर्मप्रभावना के साथ सानंद संपन्न हुआ। समस्त मांगलिक क्रियाएं पं. संतोष जैन शास्त्री (टीकमगढ़) के विधानाचार्यत्व में विधि-विधान पूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ घटयात्रा से हुआ जो श्री पार्श्वनाथ जिनालय से प्रारम्भ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए देहरा जैन मंदिर पहुंची तथा पुनः श्री पार्श्वनाथ जिनालय पर आकर समाप्त हुई। तत्पश्चात अशोक जैन (गुरुग्राम) द्वारा ध्वजारोहण किया गया ।श्रद्धालुओं ने विश्वशांति की कामना करते हुए जाप्यानुष्ठान में सम्मिलित होकर पुण्यार्जन किया। दिनांक 10 दिसम्बर 2022 को भक्तों ने श्री याग मंडल विधान के माध्यम से श्री जिनेन्द्र प्रभु की अर्चना की. अंतिम दिवस दिनांक 11 दिसम्बर 2022 को शुद्ध चांदी से निर्मित नव-प्रतिष्ठित जिनबिंबों की अभिषेक व शांतिधारा के साथ शुद्धिक्रिया संपन्न हुई। तत्पश्चात समस्त नगर में स्वर्ण व रजत रथयात्रा निकाली गयी जिसमें जबरदस्त जोश व उत्साह देखने को मिला। **विशाल रथयात्रा श्री पार्श्वनाथ जिनालय से प्रारम्भ हुई तथा नगर के मुख्या मार्गों, प्रमुख बाजार, देहरा जैन मन्दिर से होते हुए पुनः श्री पार्श्वनाथ जिनालय पहुंची जहाँ सभी ने मंगल आरती की।** रथयात्रा में बैंड-बाजे, नफीरी-ताशा, राजस्थानी ढोल, स्कूली बच्चे, जैन ध्वज, विश्वशान्ति प्रेरक सूक्तियां तथा हजारों की संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे नाचते-झूमते हुए चल रहे थे मार्ग में जगह-जगह तोरण द्वार, रंगोली, स्वागत पट्टिकाएं आदि सुशोभित थी। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि जिनेन्द्र प्रभु का सान्निध्य सम्यग्दर्शन की भूमिका बनाने में सहायक होता है। तिजारा में स्थित 200 वर्ष प्राचीन श्री पार्श्वनाथ जिनालय अत्यंत मनोरम व दर्शनीय है। जिनदर्शन से निजदर्शन की यात्रा को शुरू कर हमें भी आत्मकल्याण की ओर अग्रसर होना चाहिए। अध्यक्ष राकेश जैन ने पूज्य आचार्य श्री के चरणों में समस्त तिजारा जैन समाज की ओर से शीतकालीन प्रवास के लिए निवेदन किया । तिजारा के इतिहास में प्रथम संपन्न हुए अभूतपूर्व कार्यक्रम में पूरी समाज एकजुट व संगठित दिखी. कार्यक्रम में तिजारा सहित अलवर, टपूकड़ा, भिवाड़ी, धारूहेड़ा, रेवाड़ी, नारनौल, गुरुग्राम तथा दिल्ली एनसीआर आदि विभिन्न क्षेत्रों से हजारों धमार्नुरागी बंधुओं ने सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया

नि :शुल्क बहुद्देशीय चिकित्सा शिविर के पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर द्वारा 25 दिसंबर को नि:शुल्क बहुद्देशीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है, शिविर के पोस्टर का विमोचन 15 दिसंबर को नरपतसिंह राजवी (विधायक - विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र) के द्वारा उनके निवास

स्थान पर किया गया। इस अवसर पर नीरज जैन, पंकज जैन, ममता शर्मा, मनोज कुमार शर्मा (एडवोकेट), रेखा जैन, कशिश जैन की उपस्थिति रही। साथ ही जयपुर जिला अध्यक्ष (महिला) भा. ज. पा - श्रीमती अनुराधा माहेश्वरी जी को उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर वीर ग्रुप द्वारा उनके निवास स्थान पर माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर शुभकामनाये दी गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा कंबल वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा मानव सेवार्थ महिमा सर्किल वंदे मातरम रोड पर जरूरतमंद व्यक्तियों को सुनील मुनिया सोगानी के सौजन्य से कंबल वितरित किए गए । अध्यक्ष अभय गंगवाल व सचिव राहूल जैन के अनुसार कार्यक्रम के सुनिल सोगानी चीफ कॉर्डिनेटर तथा कॉर्डिनेटर अजय जैन, संजय बोहरा, सुकेश काला थे।

चंद्रप्रभु भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव 19 को

चांदी की पालकी में श्रीजी होंगे विराजमान, निकलेगी भव्य शोभा यात्रा

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर तेरापंथीयान माणक चौक पुरानी टोंक में 19 दिसंबर को भगवान चंद्रप्रभु का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि इस अवसर पर पोष कृष्ण एकादशी सोमवार को श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर तेरापंथीयान पुरानी टोंक में चंद्रप्रभु भगवान, पार्श्वनाथ भगवान, आदिनाथ भगवान की 108 ऋद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ अभिषेक एवं वृहद शांति धारा की जाएगी। तत्पश्चात नित्य नियम पूजा,चंद्रप्रभु पूजा, पारसनाथ पूजा, आदिनाथ पूजा, 24 तीर्थंकर की पूजा कर जन्म कल्याणक की शोभायात्रा निकाली जाएगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष देवराज काला एवं मंत्री चेतन बिलासपुरिया ने बताया कि शोभा यात्रा के तहत श्री जी को गंगा जमुना कलर युक्त पालकी में रजत सिंहासन पर विराजमान कर नगर परिक्रमा लगाई जाएगी । मधु लुहाड़िया ने बताया कि शोभा यात्रा में नैतिक महिला मंडल डांडिया के साथ भक्ति नृत्य करते हुए चंद्रप्रभु

महिला मंडल हाथ में केसरिया ध्वज लहराते हुए ।कनक महिला मंडल श्री जी के चँवर डुलाते हुए भगवान की पालकी के आगे चलेंगे। श्री जी की पालकी के पीछे बल्लम धारी एवं छतरी धारी सेवक चलेंगे। शोभायात्रा चंद्रप्रभु मंदिर से रवाना होकर माणक चौक, छोटा बाजार, बाबरो का चौक, महावीर चौक, मियां का चौक, पाटनियों का मोहल्ला होते हुए संत भवन पहुंचेगी।

महानगर प्रीमियर लीग की ट्रॉफी का अनावरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के आगामी 18 दिसंबर को होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट महानगर प्रीमियर लीग की ट्रॉफी का अनावरण मानसरोवर स्थित एक होटल में किया गया। ग्रुप अध्यक्ष संजय जैन आवा और सचिव अनुज जैन ने बताया कि लीग आधार पर आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में 11 टीम के 100 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। महिलाओं के मैच भी अलग से आयोजित किए जा रहे हैं।इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष डॉ राजीव जैन और दीपेश छाबड़ा भी मौजूद रहे। सुधीर सोनी कार्यक्रम के मुख्य संयोजक और दीक्षांत हाडा मुख्य समन्वयक हैं । सुदेश गोदिका , पीयूष सोनी , राहुल पापड़ीवाल, हेमंत बड़जात्या और अमिता जैन को संयोजक बनाया गया है। विजेता टीम को आकर्षक पुरुस्कार दिये जायेंगे ।